आनंदित रहो प्रभु में आनंदित रहो   
मैं फिर से कहता हूँ सदा आनंदित रहो (हो )...(२)

1 जब तुम्हारा मन बोझिल  
चलते चलते तक गए हो (२)  
अपना बोझ प्रभु पर डाल दो   
उसको है तुम्हारा ख़याल (२)

2 जब तुम्हारा प्राण व्याकुल हो   
जीवन में निराशा हो (२)  
रख अपना भरोसा प्रभु पर   
जीवन को आनंद से भरेगा (२)

3 जब तुम्हे लोग सताया करे   
प्रभु के कारण तुम्हारी निंदा हो (२)  
हिम्मत न हारो सब कुछ सहलो   
स्वर्ग में है तुम्हारा बड़ा प्रतिफल (२)